

विश्व की शैल कला पर कार्यशाला संपन्न



भोपाल, देशबन्धु। इंदिरा गांधी यात्रीय मानव संप्रग्रहण एवं इंदिरा गांधी यात्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वधान में लगाई गई प्रदर्शनी 'विश्व की शैल कला' पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भोपाल के शासकीय, गीतांजलि कन्दा महाविद्यालय, शा. न बोन कला एवं वाईआजय महाविद्यालय, शासकीय एम.एल.बी कन्दा महाविद्यालय, जागरण लक्ष्मीपुराणी केंद्रीय विश्व विद्यालय एवं संप्रग्रहण स्कूल के 150 छात्र-छात्राओं ने शैलचित्रकला पर अपने पाठ्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला में प्रतिभागिता की।

इस दीर्घ उन्नीने मानव संप्रग्रहण लगे विभिन्न महाद्वीपों में पाए गए शैलचित्रों की प्रदर्शनी को देखकर चित्रकला किया। विद्यार्थियों ने कहा कि इस प्रदर्शनी एवं

कार्यशाला के माध्यम से हमने सीखा इन शैलचित्रों में ऐनक जीवन की घटनाओं से लिए गए विषय औंकित हैं। ये हजारों वर्ष पहले का जीवन दर्शाते हैं। इस प्रदर्शनी में दिखाए गए चित्र मूल्यातः नूप, संगीत, आखेट, घोड़ों और हाथियों की सवारी, आधूताओं की मजाने के बारे में हैं। इनके अलावा बाघ, सिंह जंगली मुअर, हाथियाँ, कुत्ता और घुड़ियालों जैसे जानवरों को भी इन तत्त्वीयों में चित्रित किया गया है जो कि अविक्षसनीय है। प्रश्नबात इतिहासकार एवं शैलचित्र विशेषज्ञ, डॉ रहमान अली एवं डॉ बी.एल. माला ने विद्यार्थियों को शैलचित्र इतिहास के कलनद्वारों के रहस्यों के बारे में बताते हुए कहा कि ये शैलचित्र प्राचीन रीती के गवाह हैं, इतिहास के जानकार शैलचित्रों के आरंभ को ईसा पूर्व से ही जोड़ते हैं।

नईदुनिया

जीवन तथा समाज में एक नया प्रवर्णन

Sunday February 19, 2017

कार्यक्राता

राष्ट्रीय इंडिया गांधी मानव संग्रहालय में 150 विद्यार्थियों द्वे...

विभिन्न महाद्वीपों के शैलचित्रों की प्रदर्शनी का चित्रांकन किया

भौतिक (छवि)

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला बैंक, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में लगाई गई प्रदर्शनी विश्व की शैल चित्रों पर अध्ययनित द्वे दिवसीय कार्यशालाएँ में खोजाते हैं। गोतांसिंह कन्दा महाविद्यालय, द्वा, नवीन कला एवं वास्तविक महाविद्यालय, द्वा, एम.एल.बी.कला महाविद्यालय, नवापाल सेक्युरिटी प्रूफिंगसिंसी एवं संप्राप्तालय स्कूल के १५० छात्र - छात्राओं ने शैलचित्रकला पर अपने कोर्स विकास के अंतर्गत कार्यशाला में प्रतिभावित की। उन्होंने इस दौरान मानव संग्रहालय लगे विभिन्न महाद्वीपों में पाये गए शैलचित्रों की प्रदर्शनी को देखकर चित्रकला किया। विद्यार्थियों ने कहा कि “इस प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के माध्यम



से हमने सीधे उन शैलचित्रों में विभिन्न जीवन की पटवारी से जिष्ठे लगे चित्रव अकित है। वे हमारी जर्वे पहले वा जीवन

चित्र प्रलुब्ध; बुन्द, गोरील, आफेट, चोटी और हाथियों की सचारी, आधुनिकों की साजाने के घोर में हैं। इनके अलावा वाप, मिंग चंगली मुझ, हाथियों, कुत्तों

और चित्रकलों द्वे जीववर्ती भी हैं जो इन में चित्रित किया गया है जो कि अविलम्बनीय है।” प्रश्नात इंविटेशनकर्ता एवं शैलचित्र विशेषज्ञ, प्रेरुषन अहीं एवं उन जीव एवं जल, मानव वे विद्यार्थियों को गोतांसिंह डिजिटल कालांखों के शैलों के घोर में जाती हुए कहा कि “ये शैलचित्र प्राचीन शैलों के नवाज हैं, इतिहास के जनकार शैलचित्रों के आधें को देख पूर्ण में ही जीतते हैं। यह देखना जारीबदामक है कि इन शैलों में जो ऐ भी गए थे जो कई मुर्दे जल अभी वह देखते ही बढ़े हुए हैं, इन शैलों में जागीर, पा. प्रा. निक जल, गेहाझ और मनोद रेतों वा प्राचीन चित्रण गया है। भीम बैठकर के प्राचीन मानव के भृंगालालक विकास का कलाकृतम चित्रण के अन्त प्राचीन समाजीत रस्तों से हजारी जर्वे पूर्ण हुआ था।

रविवार 19 फरवरी 2017

लाल, गेरुआ और सफेद रंग से बनी शैल कला



भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में संग्रहालय में लगाई गई प्रदर्शनी 'विश्व की शैल कला' की शनिवार को शहर के कॉलेज के स्टूडेंट्स ने विजिट की। विजिट के दौरान भोपाल के शा. गीतांजलि कन्या महाविद्यालय, शा. नवीन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, शा. एमएलबी कन्या महाविद्यालय, जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी एवं संग्रहालय स्कूल के डेढ़ सौ विद्यार्थियों ने शैल चित्रकला पर अपने कोसं वर्क के अंतर्गत कार्यशाला में शिरकत की।

मानव
संग्रहालय में
विद्यार्थियों ने
किया शैल
कला का
भ्रमण